नक्शा कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री ने मध्य प्रदेश के रायसेन में **शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण के लिये नक्शा कार्यक्रम** की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **नक्शा कार्यक्रम के बारें में**
  - डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) के तहत **"नक्शा" (NAKSHA - National Geospatial Knowledge-based Land Survey of Urban Habitations) कार्यक्रम** की शुरुआत की गई है।
  - इस पहल के अंतर्गत 152 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया जाएगा, जिनमें मध्य प्रदेश के 9 ज़िलों के 10 नगर (शाहगंज, छनेरा, अलीराजपुर, देपालपुर, धार कोठी, मेघनगर, माखन नगर (बाबई), विदिशा, सांची, उन्हेल) भी शामिल हैं।
- **उद्देश्य**
  - इस पहल का उद्देश्य शहरी भूमि रिकॉर्ड प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन लाना और सटीक **भू-स्थानिक डाटा** पर आधारित एक व्यापक भूमि प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है।
  - **यह पहल:**
    - नागरिकों को सशक्त बनाएगी और उनके **जीवन को सुगम** बनाएगी।
    - **शहरी नियोजन में सुधार** लाने में सहायक होगी।
    - **भूमि संबंधी विवादों को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाएगी।
    - आईटी-आधारित संपत्ति रिकॉर्ड प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता, दक्षता एवं सतत् विकास को बढ़ावा देगी।

डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP)

- **परिचय:**
  - केंद्र सरकार ने **21 अगस्त, 2008 को** देश में **भूमि अभिलेख प्रणाली के आधुनिकीकरण** के लिये **राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (NLRMP) मंज़ूरी** दी थी, जिसे वर्ष 2016 में पुनः आरंभ किया गया और इसका नाम बदलकर **डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) कर** दिया गया।
  - यह केंद्र द्वारा 100% वित्तपोषण वाली एक **केंद्रीय क्षेत्रक योजना** है।
- **उदेश्य:**
  - अद्यतन भूमि अभिलेखों, संचालित और स्वचालित उत्परिवर्तन, पाठ्य और स्थानिक **अभिलेखों के बीच एकीकरण, राजस्व एवं पंजीकरण के बीच अंतर-संयोजन**, वर्तमान **विलेख पंजीकरण** तथा प्रकल्पित शीर्षक प्रणाली को शीर्षक गारंटी के साथ निर्णायक शीर्षक के साथ बदलने के लिये एक प्रणाली की शुरुआत करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/naksha-programs